दिल्ली-सिविल लाइंस। सामान्य प्रशासन विभाग,पर्यावरण,वन एवं वन्य जीवन मंत्री गोपाल राय को रक्षासूत्र बांधते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मीरा दीदी।

उकलाना मंडी-हरियाणा। पूर्व विधायक नरेश सेलवाल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. दीपक भाई,माउण्ट आबू। साथ हैं ब्र.कु. ईश्वर सोनी तथा अन्य।

दिल्ली-पीतमपुरा। दिल्ली जल बोर्ड के ज़ोनल रेवेन्यू ऑफिसर जसवंत सिंह बिष्ट को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय साहित्य व सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुनीता बहन व ब्र.कु. ऊषा बहन।

बड़ौत-जयंती विहार कॉलोनी(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर आरएलडी बड़ौत नगर पालिका चेयरमैन प्रत्याशी बबीता तोमर धर्मपत्नी अश्वनी तोमर को ईश्वरीय संदेश देने एवं सम्मानित करने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी।

बलिया-उ.प्र.। पुलिस अधीक्षक एस.आनंद को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. उमा बहन। साथ हैं ब्र.कु. सुमन बहन व अन्य।

नरवाना-हरियाणा। सिविल हॉस्पिटल के एसएमओ देवेंदर बिंदलिश और स्वाति बिंदलिश को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. ममता बहन, ब्र.कु. मीना बहन व ब्र.कु. भाई।

भोपाल-म.प्र.। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से राजाभोज एयरपोर्ट,भोपाल पर मिल कर महिला आरक्षण बिल को संसद से पारित कराने के लिए अभिवादन करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. अवधेश दीदी तथा अन्य प्रमुख महिलायें।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू

ज़रा सोचें...

निराकारी, विदेही और वो ओरिज़नल शुद्ध सत्य स्वरूप में हम जा रहे हैं। जहाँ कोई विकार नहीं था, आत्मा बिल्कुल पावन बनकर जाती है। या तो योगबल से बनती है या फिर सज़ा खाकर बनती है, पर हर आत्मा को हिसाब-किताब चुकाकर, शुद्ध बनकर वापस जाना है। बैक टू होम, बैक टू नेचर, ओरिज़नल स्टेज एंड बैक टू सोर्स।

निराकारी स्थिति की साधना करेंगे तो... इस देह में रहते भी देह भान से न्यारे रहेंगे

जैसे दुनिया में कितने अच्छे-अच्छे स्थानों पर घूमने जाते हैं। बड़ी खुशी भी होती है कि हमने ये देखा, ये देखा। और इतने सुन्दर स्थान देखने के बावजूद भी आखिर क्या इच्छा होती है कि अब घर चलो। फिर दुबारा निकलेंगे, ट्रेवल करेंगे, अब घर जायेंगे थक गये। तो हम भी इस दुनिया के सफर पर निकले पर आखिर तो आत्मा को इच्छा होती है, घर वापस जाने की। रेस्ट करने की। तो परमधाम में रेस्ट है, देह और देह की दुनिया का वहाँ पर विस्तार नहीं है। वहाँ हम अपने स्वरूप में स्थित होते हैं। बहुत चलते हैं तो कहते हैं ना थोड़ा बैठ जाते हैं, आराम करते हैं। तो आत्मा ने भी ड्रामा में वैरायटी दृश्य देखे, पार्ट बजाये तो आत्मा को जब दुःख मिलने लगता है तो थक जाती है। इस दुनिया से दुःखी हो जाते हैं, तंग हो जाते हैं, तो क्या सोचते हैं लौकिक दुनिया में भी क्या कहते हैं कि अब तो दुनिया से चले जायें, भगवान उठा ले। तो ये समय है बैक टू होम(घर वापस चलना है)। अपने आपको तैयार करो। क्योंकि अनेक जन्मों से यहाँ रहे, अनेक पारिवारिक सम्बन्धों में रहे, तो जाना नहीं चाहते हैं कई बार। डरते तो नहीं हैं ना! क्योंकि ये ड्रामा का क्रम है। नियम है संसार का तो उनको हमें बहुत खुशी से और समझ पूर्वक स्वीकार करना है। क्योंकि ओरिज़नल तो वो हमारी निराकार, बीजरूप, बिन्दुरूप जो भी कहो वो स्टेज है। जब हमारे अन्दर सबकुछ समाया होता है। संगमयुग में हम वो अपनी अनुभूतियां, बाबा लौकिक से हमें अलौकिक बनाते हैं और फिर अलौकिक से निराकार, पारलौकिक, बीजरूप, बिन्दुरूप स्टेज में हमें जाना है। जहाँ हम संगमयुग में आत्मा में सारी अनुभूतियां भर लेते हैं। बीज बन जाते हैं।

तो इसलिए अब दुनिया में भी लोग क्या कहते हैं बैक टू नेचर। भौतिकता में चले गये। अब कहते हैं वापस कुदरती जीवन में आओ। तो हम भी अपना बैक टू नेचर, अपनी ओरिज़नल स्टेज में जा रहे हैं। कौन-सी है हमारी ओरिज़नल स्टेज? निराकारी, विदेही और वो ओरिज़नल शुद्ध सत्य स्वरूप में हम जा रहे हैं। जहाँ कोई विकार नहीं था, आत्मा बिल्कुल पावन बनकर जाती है। या तो योगबल से बनती है या फिर सज़ा खाकर बनती है, पर हर आत्मा को हिसाब-किताब चुकाकर, शुद्ध बनकर वापस जाना है। बैक टू होम, बैक टू नेचर, ओरिज़नल स्टेज एंड बैक टू सोर्स। बाबा है सोर्स, अल्टीमेट सोर्स(अन्तिम स्रोत)। जहाँ से हमें सुख, शांति, आनंद, प्रेम, शक्ति... मिलती है। अल्टीमेट सोर्स बाबा है। अविनाशी सोर्स, ऊंचे ते ऊंचे बाबा है। अब उनसे कनेक्ट हो जाना है।

तो वापिस घर जाने की बातें हम जानते हैं। जैसे रोज़ सुबह नहा धोकर, स्वच्छ कपड़े पहनकर घर से निकलते हैं। सारा दिन अनेक कामों में लगते हैं, अनेक स्थानों पर जाते हैं कुछ न कुछ धूल-मिट्टी लग जाती है फिर शाम को स्नान करते हैं, हाथ-मुंह धोते हैं और कपड़े बदलकर, घर के कपड़ों में रहते हैं। आत्मा को रिलेक्स किसमें लगता है? भल ऑफिस में आप तैयार होकर जाते हैं, पर रिलेक्स किसमें लगता है- अपनी ओरिज़नल सिम्पल ड्रेस में। तो ये है कि आत्मा को फिर रिलेक्स होना है। 84 जन्मों का, उसमें खास 63 जन्मों का प्रभाव मिट जाये और 21 जन्मों का जो रोल प्ले करना है वो रोल समा जाये आत्मा में। तो ये तैयारी तो संगमयुग पर करनी है। बाबा कहते हैं ना कि 63 जन्मों का विकर्म विनाश करना है। इसलिए तो तपस्या कर रहे हैं कि उन विकर्मों के कारण जो आदतें बनी हैं, जो संस्कार बने हैं वो हमें खत्म करना है। और 21 जन्मों के लिए जमा करना है।

क्यों सेवा करते हैं? क्यों सत कर्म हम करते हैं, क्यों हम तन-मन-धन लगाते हैं, 21 जन्मों के लिए जमा करना है। उसके लिए बाबा उसका मल्टीप्लाई करके देगा। एक जन्म की सेवा, एक जन्म का तप और 21 जन्मों का भाग्य मल्टीप्लाई बाबा करेगा। पर करना तो हमें है ना, बीज हमें बोना है, कदम हमें उठाना है। तो ये मोस्ट इम्पोर्टेंट टाइम है कि जितना हम निराकारी स्थिति की साधना करेंगे तो इस देह में रहते भी देह भान से न्यारे रहेंगे। सिर्फ मैं आत्मा हूँ इतना नहीं, मैं आत्मा इस देह से न्यारी हूँ। क्योंकि मेन तो अटैचमेंट देह से हो गया ना! तो देह में रहते हर क्षण देह से कर्म करते हुए, हर क्षण देह भान से मुझे न्यारा रहना है। तो ये प्रैक्टिस करनी है।

कोलकाता म्यूज़ियम-प.बंगाल। ब्रह्माकुमारीज़ एवं रोट्री इंटरनेशनल के तत्वाधान में साइंस सिटी में 'क्रियेट होप इन द वर्ल्ड' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान मुख्य वक्ता प्रसिद्ध जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी बहन, राजयोगिनी ब्र.कु. कानन बहन,इंचार्ज,ब्रह्माकुमारीज़ इस्टर्न ज़ोन हेडक्वार्ट्स,कोलकाता, हीरालाल यादव,डिस्ट्रिक्ट गवर्नर,रोट्री, शेखर मेहता,पास्ट रोट्री इंटरनेशनल प्रेसिडेंट, रमेश तिवारी,इंवेंट चेयरपर्सन, अमर मल्होत्रा,प्रेसिडेंट,रोट्री आदि मौजूद रहे।